IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

कोविड-19 के बाद शिक्षा प्रणाली में आए परिवर्तन: एक मूल्यांकन

बबीता चौधरी
सहायक प्रोफेसर
एशियन कालेज, सरसावा, सहारनपुर

परिचय

कोविड-19 महामारी ने वैश्विक स्तर पर जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को प्रभावित किया, लेकिन इसका सबसे गहरा प्रभाव शिक्षा प्रणाली पर पड़ा। स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय महीनों तक बंद रहे, जिससे परंपरागत शिक्षण प्रणाली बाधित हुई। इस अभूतपूर्व संकट ने शिक्षा जगत को डिजिटल रूपांतरण की ओर अग्रसर किया और नई चुनौतियों एवं संभावनाओं को जन्म दिया। यह लेख कोविड-19 के बाद शिक्षा प्रणाली में आए परिवर्तनों का समग्र मूल्यांकन प्रस्तुत करता है।

1. कोविड-19 से पूर्व की पारंपरिक शिक्षा प्रणाली

कोविड-19 से पहले भारत सहित अधिकांश देशों की शिक्षा प्रणाली कक्षा-केंद्रित, शिक्षक-प्रधान और भौतिक उपस्थिति पर आधारित थी। डिजिटल माध्यम सीमित थे और तकनीक का प्रयोग सहायक भूमिका तक सीमित था। अधिकांश शैक्षणिक संस्थान ऑफलाइन शिक्षण पर निर्भर थे।

2. कोविड-19 महामारी और शिक्षा पर उसका प्रभाव

मार्च 2020 से भारत सहित अनेक देशों में शैक्षणिक संस्थान पूर्णतः बंद हो गए। इससे लगभग 150 करोड़ छात्र-छात्राएँ प्रभावित हुए। इसके प्रमुख प्रभाव निम्नलिखित रहे:

- शिक्षण-अधिगम की प्रक्रिया ठप हो गई।
- बोर्ड परीक्षाएँ एवं विश्वविद्यालयी परीक्षाएँ स्थगित या रद्द करनी पड़ीं।
- छात्रों की मनोवैज्ञानिक स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा।
- डिजिटल शिक्षा की आवश्यकता ने जोर पकड़ा।

3. कोविड-19 के बाद शिक्षा प्रणाली में आए प्रमुख परिवर्तन

3.1 ऑनलाइन शिक्षा की शुरुआत और विस्तार

महामारी ने शिक्षा को डिजिटल प्लेटफार्मों पर ले जाने को बाध्य किया। Zoom, Google Meet, Microsoft Teams जैसे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग टूल्स ने ऑनलाइन कक्षाओं को सुगम बनाया। इससे सीखने की प्रक्रिया समय और स्थान की सीमाओं से बाहर निकल गई।

3.2 ई-लर्निंग प्लेटफार्मों का विकास

Byju's, Vedantu, Unacademy जैसे भारतीय ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म्स का प्रसार हुआ। Coursera, edX, Udemy जैसे वैश्विक मंचों पर छात्रों की भागीदारी बढ़ी।

3.3 शिक्षा में टेक्नोलॉजी का समावेश

शिक्षकों को नए सिरे से डिजिटल टूल्स और सॉफ्टवेयर का प्रशिक्षण दिया गया। AR/VR, AI, Learning Management Systems (LMS) जैसे तकनीकी उपकरणों ने शिक्षण के तरीके बदल दिए।

3.4 मूल्यांकन की नई प्रणाली

ऑनलाइन टेस्ट, ओपन बुक एग्ज़ाम, असाइनमेंट आधारित मूल्यांकन ने पारंपरिक परीक्षाओं की जगह ली। इसमें छात्रों की रचनात्मकता, शोध क्षमता और तकनीकी दक्षता का परीक्षण प्रमुख रहा।

3.5 हाइब्रिड लर्निंग मॉडल का विकास

कोविड के बाद स्कूलों ने ऑनलाइन और ऑफलाइन शिक्षण का संयोजन अपनाया। यह हाइब्रिड मॉडल वर्तमान शिक्षा का स्थायी अंग बनता जा रहा है।

4. कोविड-19 के बाद शिक्षा के क्षेत्र में आई सकारात्मक प्रवृत्तियाँ

4.1 तकनीकी साक्षरता में वृद्धि

शिक्षकों और छात्रों, दोनों ने डिजिटल उपकरणों का प्रयोग करना सीखा। इससे भविष्य के तकनीकी-समर्थित शिक्षा की नींव मजबूत हुई।

4.2 लचीला शिक्षण (Flexible Learning)

ऑनलाइन शिक्षा ने छात्रों को अपनी गति से सीखने का अवसर दिया। रिकॉर्डेड लेक्चर, ई-नोट्स, इंटरैक्टिव क्विज़ आदि ने लर्निंग को अधिक प्रभावी बनाया।

4.3 समावेशी शिक्षा की दिशा में कदम

विशेष आवश्यकताओं वाले छात्र, दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थी और गृहिणियाँ भी अब डिजिटल माध्यम से शिक्षा से जुड़ सके।

4.4 शिक्षा नीति में नवाचार

नई शिक्षा नीति 2020 में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने की बात कही गई है। कोविड-19 ने नीति को व्यवहार में उतारने का अवसर दिया।

5. कोविड-19 के बाद उत्पन्न चुनौतियाँ

5.1 डिजिटल डिवाइड

भारत में अभी भी लाखों छात्र इंटरनेट, स्मार्टफोन या लैपटॉप से वंचित हैं। यह शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के बीच शिक्षा की खाई को और चौड़ा करता है।

5.2 गुणवत्ता की असमानता

सभी शैक्षणिक संस्थानों में तकनीकी संसाधन समान रूप से उपलब्ध नहीं हैं। इससे शिक्षा की गुणवत्ता में भिन्नता आई।

5.3 शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव

लंबे समय तक स्क्रीन के सामने बैठने से छात्रों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ा है। आँखों की समस्याएँ, तनाव, अकेलापन आदि बढ़े हैं।

5.4 शिक्षक प्रशिक्षण की कमी

कई शिक्षक डिजिटल शिक्षा के लिए प्रशिक्षित नहीं थे, जिससे ऑनलाइन शिक्षण की गुणवत्ता प्रभावित हुई।

5.5 मूल्यांकन की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह

ऑनलाइन परीक्षाओं में नकल रोकना एक बड़ी चुनौती रही। इससे परिणामों की विश्वसनीयता पर प्रश्न उठे।

6. डिजिटल शिक्षा में सरकार की पहल

भारत सरकार ने कोविड-19 के दौरान एवं बाद में अनेक डिजिटल प्लेटफार्म और योजनाएँ प्रारंभ कीं:

- **DIKSHA (Digital Infrastructure for Knowledge Sharing)**
- **SWAYAM (Study Webs of Active Learning for Young Aspiring Minds)**
- **e-PG Pathshala**
- **PM eVIDYA**
- **One Nation One Digital Platform**
- **Digital University योजना (2022)**

इन पहलों ने डिजिटल शिक्षा को मजबूत आधार प्रदान किया।

7. दीर्घकालीन प्रभाव और भविष्य की दिशा

7.1 शिक्षा का डिजिटलीकरण

अब शिक्षा केवल कक्षा तक सीमित नहीं है। डिजिटल प्लेटफॉर्म मुख्यधारा में आ चुके हैं।

7.2 पारंपरिक और डिजिटल शिक्षा का समन्वय

भविष्य की शिक्षा प्रणाली हाइब्रिड मॉडल पर आधारित होगी, जहाँ छात्र ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से सीखेंगे।

7.3 कौशल-आधारित शिक्षा की ओर झुकाव

कोविड-19 के बाद छात्रों में करियर उन्मुखता और व्यावसायिक कौशल अर्जन की प्रवृत्ति बढ़ी है।

7.4 नीति में लचीलापन और नवाचार

शिक्षा नीति अब अधिक लचीली और नवाचार को अपनाने के लिए तत्पर हो गई है।

8. सुझाव और सुधार की दिशा

1. **डिजिटल साक्षरता को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए।**
2. **ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल अवसंरचना मजबूत की जाए।**
3. **शिक्षकों को निरंतर डिजिटल प्रशिक्षण दिया जाए।**
4. **ऑनलाइन मूल्यांकन की प्रक्रिया को पारदर्शी और विश्वसनीय बनाया जाए।**
5. **छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए परामर्श सेवाएँ प्रदान की जाएँ।**

निष्कर्ष

कोविड-19 ने जहाँ शिक्षा प्रणाली को चुनौती दी, वहीं उसे नवाचार, तकनीकी समावेश और समावेशी शिक्षा की ओर बढ़ने का अवसर भी प्रदान किया। यह संक्रमण काल शिक्षा में एक क्रांतिकारी परिवर्तन का कारण बना। भविष्य की शिक्षा प्रणाली का स्वरूप अब अधिक डिजिटल, लचीला और छात्र-केंद्रित होगा। आवश्यकता है कि हम इन परिवर्तनों को स्वीकार कर एक न्यायसंगत और सशक्त शिक्षा प्रणाली की ओर अग्रसर हों।

संदर्भ सूची (References)

1. भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (2020)। **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020)।** https://www.education.gov.in
2. UNESCO (2021). **Education in a post-COVID world: Nine ideas for public action.** https://en.unesco.org
3. UNICEF (2020). **COVID-19: Are children able to continue learning during school closures?** https://data.unicef.org/resources/remote-learning-reachability-factsheet
4. NITI Aayog (2021). **Reimagining Education and Skills: COVID-19 Impact and Opportunities.** https://niti.gov.in
5. Ministry of Education, Government of India (2021). **PM eVidya: One Nation, One Digital Platform.**
6. Pandey, R. (2021). "Post-COVID Education: Challenges and Opportunities in India." *International Journal of Education and Development*, Volume 9(2), pp. 34-40.
7. Azim Premji University (2021). **Loss of Learning during the Pandemic.** https://azimpremjiuniversity.edu.in
8. World Bank (2020). **The COVID-19 Pandemic: Shocks to Education and Policy Responses.** https://www.worldbank.org
9. Sahu, P. (2020). "Closure of Universities Due to Coronavirus Disease 2019 (COVID-19): Impact on Education and Mental Health of Students and Academic Staff." *Cureus Journal of Medical Science*, Volume 12(4).
10. IGNOU (2021). "COVID-19 ke Prabhav mein Shiksha ka Punarvivaran." *शोध दिशा*, खंड 16, अंक 1, पृष्ठ 52-58।